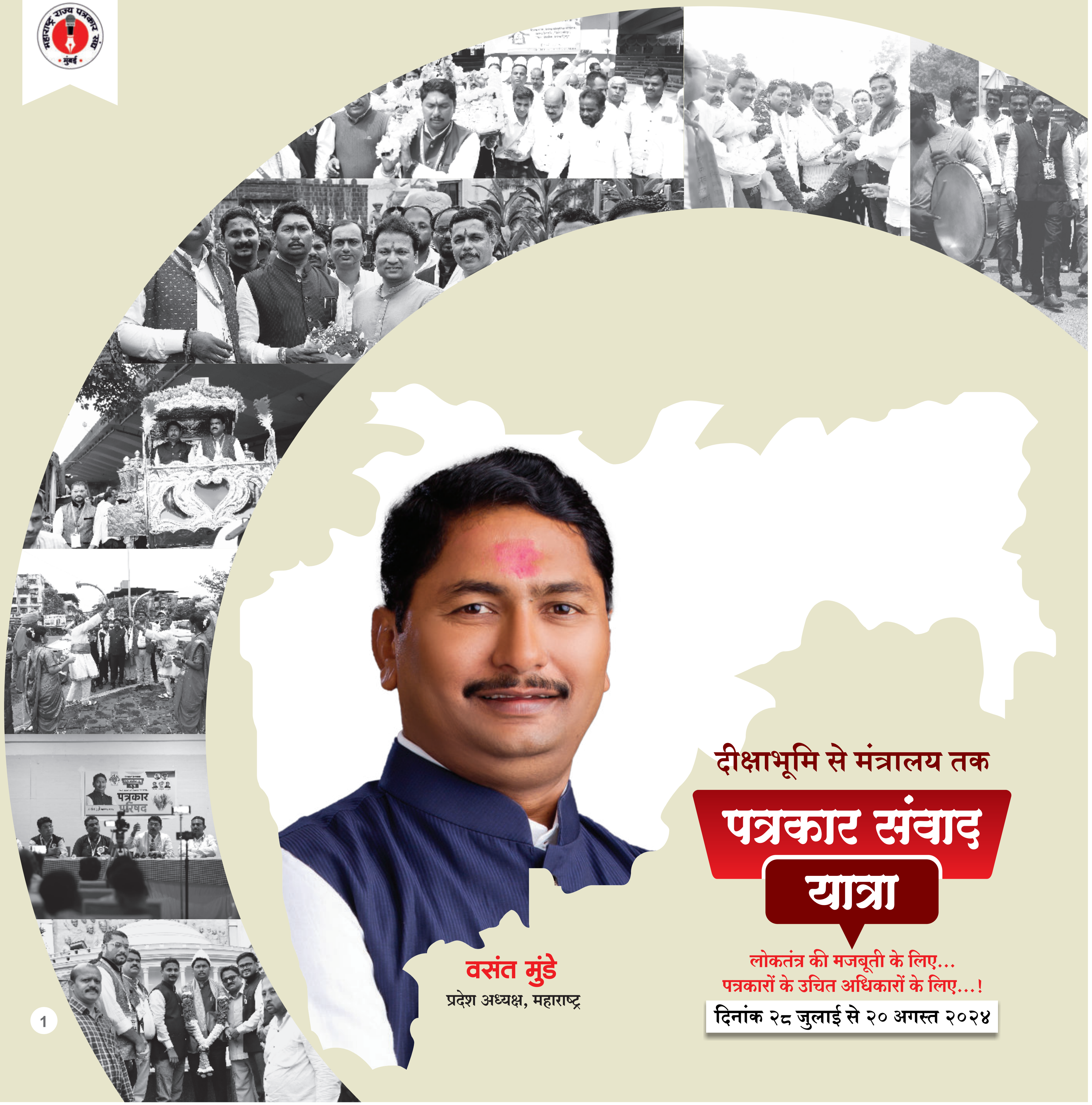

दीक्षाभूमि से मंत्रालय तक

पत्रकार संवाद यात्रा

लोकतंत्र की मजबूती के लिए...
पत्रकारों के उचित अधिकारों के लिए...!

दिनांक २८ जुलाई से २० अगस्त २०२४

वसंत मुंडे
प्रदेश अध्यक्ष, महाराष्ट्र

परिचय

- **नाम :** वसंत माधवराव मुंडे
- **जन्म स्थान :** लाडज़री (तालुका परली, ज़िला बीड)
- **प्रदेश अध्यक्ष :** महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ, मुंबई।
- **शैक्षिक पात्रता :** बी.ए.बी.जे. (डॉ. बा. आं. म. वि., छत्रपती संभाजीनगर, महाराष्ट्र)
- **बीड ज़िला प्रतिनिधि :** २००३ से दैनिक समाचार पत्र लोकसत्ता।
- **अध्यक्ष :** महाराष्ट्र सरकार औरंगाबाद मंडल पत्रकार प्रत्यायन समिति (२०१५)
- **ज़िला अध्यक्ष :** बीड ज़िला मराठी पत्रकार संघ (२००६)
- **प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष :** महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ, मुंबई (२०१४ से २०२०)

पुरस्कार

- मराठी समाचार चैनल 'एबीपी माझा' द्वारा 'महाराष्ट्र का अनमोल रत्न' पुरस्कार (२०२३)
- लोकमत इंटरनेशनल एक्सलन्स इन सोशल जर्नलिज्म अवार्ड (२०२३)
- राष्ट्रसंत भगवान बाबा सेवा गौरव पुरस्कार, पाटोदा, बीड।
- राष्ट्रसंत डॉ. शिवलिंग शिवाचार्य महाराज स्मृति राज्यस्तरीय आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार।
- कलंब तालुका पत्रकार संघ का मोहेकर गुरुजी राज्यस्तरीय पत्रकारिता पुरस्कार।
- तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. ग्रामीण विकास के संदर्भ में राष्ट्रीय मनमोहन सिंह के साथ परिषद के लिए चुनाव। (२००७)
- गन्नातोड श्रमिकों पर लिखे लेखमाला के लिए समर्थन संस्था से राज्यस्तरीय छात्रवृत्ति (१९९९)।
- उस्मानाबाद जिला पत्रकार संघ की ओर से खोज पत्रकारिता कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार

निर्माणः

- लोकसत्ता दैनिक में किसानों की सफलता की कहानियों पर लिखे 'शब्दशिवार' पुस्तक का निर्माण।
- इतिहास शोधकर्ता, पत्रकार स. मा. गर्गे की स्मृति में बीड में गर्गे भवन एवं पुस्तकालय का निर्माण।
- छत्रपति संभाजीनगर से दैनिक आधुनिक केसरी का आरंभ।

नागपूर
दि. २८ जुलाई २०२४
दीक्षाभूमि वंदन
यात्रा शुभारंभ
वर्धा
दि. २८ जुलाई २०२४
(मुक़ाम)
सेवाग्राम भेंट, प्रेस वार्ता
अमरावती
दि. २९ जुलाई २०२४
(मुक़ाम)
प्रेस वार्ता
अकोला
प्रेस वार्ता
शेगांव
दि. ३० जुलाई २०२४
(मुक़ाम) दर्शन
प्रेस वार्ता
मुक्ताईनगर
दर्शन
जळगांव
दि. ३१ जुलाई २०२४
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
धुले
प्रेस वार्ता
नासिक
१ ऑगस्ट २०२४
(मुक़ाम)
प्रेस वार्ता
कालाराम मंदिर
शिर्डी
२ ऑगस्ट २०२४
(मुक़ाम) साईंबाबा दर्शन
प्रेस वार्ता
संभाजीनगर
(जालना)
प्रेस वार्ता
बीड
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
धाराशिव
लातूर
प्रेस वार्ता
सोलापूर
प्रेस वार्ता
पंढरपूर
मुक़ाम
विठ्ठल दर्शन
प्रेस वार्ता
सांगली
प्रेस वार्ता
कोल्हापूर
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
विभिन्न स्थानों पर भेंट
तथा देवी दर्शन
सातारा
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
विभिन्न मान्यवरों से मुलाक़ातें
बारामती
प्रेस वार्ता
पुणे
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
दगडुसेठ गणपती दर्शन
पनवेल
मुक़ाम
प्रेस वार्ता
ठाणे
प्रेस वार्ता
मुंबई
यात्रा समापन
सार्वजनिक सभा
दीक्षाभूमि से मंत्रालय तक
पत्रकार संवाद
यात्रा
लोकतंत्र की मजबूती के लिए...
पत्रकारों के उचित अधिकारों के लिए...!
वसंत मुंडे (प्रदेश अध्यक्ष, महाराष्ट्र)
महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ, मुंबई

संवाद यात्रा... सामान्य पत्रकारों के लिए!

पत्रकारिता को भारतीय लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। सत्तारूढ़ सरकारी तंत्र पर अंकुश लगाने तथा सामाजिक जागरूकता का व्यापक कार्य समाचार पत्रों के माध्यम से निरंतर होता रहता है। आसमान छूती महंगाई, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और विज्ञापन में गिरावट ने अखबार व्यवसाय और उस पर निर्भर पत्रकारों को आर्थिक तनाव में डाल दिया है। कोरोना महामारी के कारण महाराष्ट्र में ड्यूटी के दौरान १५० से अधिक पत्रकारों की मौत हो गई, लेकिन घोषणा के बावजूद सरकार ने मदद नहीं की। कई अखबारों ने अपने संस्करण बंद कर दिए और सैकड़ों पत्रकारों और कर्मचारियों को घर भेज दिया। बाकियों को कम वेतन पर काम करना पड़ रहा है। कुछ पत्रकारों द्वारा आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या करने की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ भी सामने आई हैं। लेकिन यह एक भयानक हकीकत है कि समाज के मुद्दे उठाने वाले पत्रकारों की पीड़ा कोई नहीं समझता।

निष्ठा और ईमानदारी से काम करने वाले पत्रकारों की भी कुछ दुविधाएं हैं, समस्याएं हैं ऐसा किसी को नहीं लगता। पिछले दस वर्षों में ईंधन की कीमतें ६० रुपये से ११० रुपये और डीजल की कीमतें ५० रुपये से १०० रुपये तक बढ़ गई हैं। एक कप चाय २ रुपये से १० रुपये हो गयी। अन्य सभी दैनिक आवश्यकताओं की कीमतें भी लगभग चार गुना बढ़ गईं, लेकिन सीधे घर पर सस्ता दैनिक समाचारपत्र पहुँचाने की पारंपरिक आर्थिक नीति के कारण, बारह पन्नों के अखबार का बिक्री मूल्य केवल ५ रुपये है। यह दुनिया का एकमात्र उत्पाद है जिसका विक्रय मूल्य, उत्पादन लागत का केवल ३० प्रतिशत है। उत्पादन की उच्च लागत और कम बिक्री मूल्य के कारण समाचार पत्र व्यवसाय और कामकाजी पत्रकारों को वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकारों को नाममात्र के पारिश्रमिक पर ही काम करना पड़ता है।

महाराष्ट्र सरकार ने पत्रकारों के लिए कुछ योजनाएँ शुरू कीं, लेकिन दमनकारी परिस्थितियों के कारण योग्य पत्रकारों को भी इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। एक दशक के संघर्ष के बाद, पत्रकार संरक्षण अधिनियम पर हमला विरोधी कानून पारित किया गया, लेकिन इसे स्थानीय स्तर पर लागू नहीं किया गया है। बालशास्त्री जाम्भेकर सम्मान (पेंशन) योजना शुरू की गई, उसकी कुछ शर्तों के कारण वरिष्ठ पत्रकारों को लाभ नहीं होता है। डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी योजना को लेकर कोई बैठक नहीं होने से कई वरिष्ठ पत्रकारों की पेंशन के इंतजार में मौत हो गयी है। सरकार ने अखबारों में छपने वाले विज्ञापनों, प्रिंटिंग पेपर पर जीएसटी टैक्स तो लगा दिया है, लेकिन इसकी तुलना में सरकारी विज्ञापनों की दर में बढ़ोतरी नहीं की गयी है। परिणामस्वरूप, संभाग, जिला और तालुका स्तर पर कई छोटे समाचार पत्र अधिक खर्च और कम आय के कारण बंद हो रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था में आम आदमी की आवाज़ कमज़ोर होने का डर है।

स्थानीय व्यवस्था पर सवाल उठाने वाली और आम आदमी की समस्याओं को उठाने वाली लघु समाचार पत्र प्रणाली को भी जीवित रहना चाहिए। पत्रकारों के साथ-साथ कई लोगों का रोजगार कई हजार करोड़ रुपये के अखबार कारोबार पर निर्भर करता है। महाराष्ट्र में पचास हजार से ज्यादा की संख्या वाले पत्रकार समुदाय का सवाल कोई नहीं उठाता, लेकिन पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे समाज की स्थापित व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ संघर्ष करें। ऐसे में राज्य पत्रकार संघ ने लगातार पत्रकारों के न्याय के लिए लड़ाई लड़ी है। केंद्र व राज्य सरकार से मांग कर अनुवर्ती कार्रवाई जारी है। चूंकि राज्य में सदस्यों की अधिकतम संख्या ३० हजार है, इसलिए संगठन का जिला, शहर और गांव स्तर पर काफी प्रभाव है। सरकार को मीडिया में काम करने वाले पत्रकारों और कर्मचारियों को एक घटक के रूप में समझकर समस्या के समाधान के लिए ठोस रुख अपनाने की जरूरत है। अपेक्षा है कि समाज के विभिन्न तत्त्व इसका समर्थन करें। यदि शासकों की मानसिकता किसी भी घटक की समस्या को वोटों के बारे में सोचकर सुलझाना है तो क्या पत्रकारों को भी न्याय के लिए राजनीतिक रूप से सोचना चाहिए? उम्मीद है कि संवाद यात्रा के माध्यम से पत्रकारों के मुद्दे केंद्र में आएं ताकि राजनेता पत्रकारों की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाएं..!
धन्यवाद !

प्रमुख माँगें

- **केंद्र सरकार को भेजे जाने वाले प्रस्ताव:**

१) केंद्र सरकार समाचार पत्र (डिजिटल सहित) खरीदने वालों को आयकर में सालाना ५००० रु. की छूट दे। ऐसा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाए।
२) राज्य सरकार को केंद्र सरकार को प्रस्ताव देना चाहिए कि अखबार के विज्ञापनों पर लगने वाले ५% जीएसटी टैक्स को खत्म कर दिया जाए।

- **राज्य स्तरीय मांगें:**

१) समाचार पत्रों और मीडिया समूहों के लिए एक अलग आर्थिक विकास निगम की स्थापना की जाए।
२) मीडिया क्षेत्र के लिए एक अलग राज्य प्रेस परिषद की स्थापना हो।
३) विधान परिषद की सदस्यता के लिए राज्यपाल मनोनीत सदस्य का चयन पत्रकारों में से किया जाए।

- **गृह विभाग स्तर पर मांगें :**

१) पत्रकार सुरक्षा कानून पारित हो चुका है, लेकिन स्थानीय स्तर पर लागू नहीं हुआ है. इसके लिए पुलिस प्रशासन को आदेश दिया जाए।
२) आजकल समाचार छपने या दिखाने के तुरंत बाद सीधे पुलिस स्टेशन में पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। तो प्रकाशित खबर के बारे में यदि किसी पत्रकार के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होती है तो पुलिस को अनुविभागीय पुलिस पदाधिकारी के माध्यम से जांच के बाद ही मामला दर्ज करने की कार्रवाई करनी चाहिए। इस तरह के निर्देश पुलिस विभाग देने चाहिए।

- **ग्रामीण विकास विभाग स्तर पर मांग:**

१) महाराष्ट्र सरकार 'जहाँ गांव वहाँ ग्रंथ' इस नीति के तहत स्थानीय समाचार पत्र की खरीद के लिए वार्षिक योजना में ग्राम पंचायतों को १० हजार रुपये आवंटित करें। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग को अलग से आदेश जारी करें।
२) स्थानीय स्व-सरकारी निकायों और राज्य, जिला, तालुका स्तर की सरकारी समितियों में पत्रकारों का एक प्रतिनिधि लेना चाहिए।
३) सरकारी, अर्ध सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में समाचार पत्रों की खरीद का प्रावधान किया जाये।

- **सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मांगें:**

१) आचार्य बालशास्त्री जांभेकर वरिष्ठ पत्रकार सम्मान योजना से 'लगातार तीस वर्षों तक सेवा' इस शर्त को हटाकर प्रक्रिया सरल की जाए। इसके लिए दाखिल प्रस्ताव छह महिनों की समयावधी में स्वीकृत करते हुए पेन्शन शुरू की जाए। फिलहाल तीन वर्षों तक प्रस्ताव पारित नहीं होते हैं।
२) वेतन पर्ची की शर्त समाप्त की जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को अधिस्वीकृति पत्र मिल सके, क्योंकि अधिकांश पत्रकार मानदेय पर काम करते हैं।संपादकों की सिफ़ारिश के अनुसार ज़िला दैनिक समाचार पत्रों के तालुका संवाददाताओं को अधिस्वीकृति देने की प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए।
३) अधिस्वीकृति देते समय पत्रकार का कोई दूसरा गौण व्यवसाय न होने का शपथ पत्र देने की शर्त समाप्त की जाये।
४) मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रेलवे और स्लीपर कोच बस, हवाई यात्रा में पहले की तरह ५०% आरक्षण दिया जाए।
५) सरकार द्वारा घोषित मान्यता प्राप्त पत्रकारों के वाहनों के लिए राजमार्ग टोल में छूट के लिए अलग आदेश दें।
६) २०१८ की सरकारी नीति के अनुसार, विज्ञापन दरों में हर दो साल में नियमित रूप से बढ़ोतरी की जानी चाहिए।
७) सरकारी पुरस्कार हर वर्ष 'दर्पण दिवस' पर वितरित किये जाने चाहिए, इसमें तीन वर्ष का अन्तराल आ गया है।
८) स्थानीय स्तर के जिला दैनिक, साप्ताहिक पत्रों में सरकारी विज्ञापन बांटते समय वर्ग के नाम पर अन्याय बंद किया जाये, सभी को समान न्याय से विज्ञापनों का वितरण हो। साथ ही निगमों, स्थानीय स्व-सरकारी निकायों को स्थानीय दैनिक और साप्ताहिक को प्रमुखता से विज्ञापन देने चाहिए। वर्ष में चार दर्शनीय विज्ञापन फिर से शुरू किये जाने चाहिए।
९) चूँकि कोरोना काल में समाचार पत्रों की खपत प्रभावित हुई है, इसलिए द्विवार्षिक सत्यापन में खपत को लेकर नई नीति बनानी चाहिए और सरकारी सूची में लाने के लिए एक हजार एडिशन बिक्री की सीमा तय की जाए।
१०) प्रत्येक वर्ष मीडिया संस्थान से पत्रकारों की सूची ली जाये तथा पत्रकारों की आधिकारिक गणना कर सरकारी लाभ देने का निर्णय लिया जाये।
११) बीस वर्ष पूर्ण कर चुके नियमित दैनिक व साप्ताहिक पत्रों को द्विवार्षिक सत्यापन से छूट दी जाए।
१२) प्रत्यायन समिति को राज्य और मंडल स्तर पर श्रमिक संघ अधिनियम (श्रमिक संघ अधिनियम १९२६) के तहत पंजीकृत यूनियनों में प्रतिनिधित्व दिया जाए।
१३) मुंबई की तरह, म्हाडा को सरकारी जमीन देकर जिला और तालुका स्तर पर पत्रकारों के लिए अलग आवास परियोजनाएं लागू करनी चाहिए।
१४) चूँकि पुराने समाचार पत्र बहुमूल्य संपत्ति हैं, इसलिए ऐतिहासिक घटनाओं को संरक्षित करने के लिए उनके कम्प्यूटरीकरण पर विशेष रियायत दी जानी चाहिए।
१५) डिजिटल मीडिया (न्यूज पोर्टल, यूट्यूब चैनल) को सरकार द्वारा मापदंड तय कर मंजूरी दी जाये।
१६) जिला, तालुका स्तर पर मुख्य सरकारी कार्यालय में प्रेस कक्ष स्थापित किया जाये।
१७) सरकार को लगातार पांच वर्षों तक सेवा देने वाले पत्रकारों के लिए मासिक पारिश्रमिक योजना शुरू करनी चाहिए क्योंकि मीडिया समूहों को नाममात्र पारिश्रमिक मिल रहा है। ■

पत्रकारों के नायक ...!

लोकसत्ता के माध्यम से २० वर्षों से रचनात्मक पत्रकारिता कर रहे श्री. वसंत मुंडे अब महाराष्ट्र में एक नई भूमिका में सामने आए हैं, शायद यह मुंडे नाम की महिमा है। नाम में निहित नेतृत्व गुणों से पता चलता है कि उनमें नेतृत्व क्षमता है। वसंत मुंडे का पत्रकारिता का सफर कई अनुभवों से भरा है। चूंकि उनका जन्म गांव में हुआ था, इसलिए उनके व्यक्तित्व में ग्रामीण संस्कृति की झलक होने के कारण कॉलेज की पढ़ाई के लिए शहर आए मुंडे अनजाने में ही पत्रकारिता के संपर्क में आ गए। पत्रकार बनना उनका लक्ष्य नहीं था, लेकिन आज वे पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सक्षम नेता हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, उनकी पत्रकारिता खूब फली-फूली। पत्रकारिता करते समय मुंडे बीड जिले में स्थित थे। वे पत्रकार संघ के अध्यक्ष बने और बहुत ही कम समय में उन्होंने सीमाएं लाँघते हुए राज्य पत्रकार संघ में एक नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई और यह साबित कर दिया कि वे लेखन के माध्यम से भी समाज को न्याय दिला सकते हैं। किसान पुत्र होने के नाते उन्होंने किसानों की समस्याओं पर बहुत कुछ लिखा है। कई सामाजिक संस्थाओं को लोकसत्ता के माध्यम से वित्तीय सहायता दिलाने में मदद की। जिले की सामाजिक संरचना में वसंत मुंडे के लेखन का सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है, लेकिन समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले पत्रकारों की समस्याओं की उपेक्षा को देखते हुए उनके मन में परिवर्तन की बयार चली। जीवनभर कपड़े सीने वाली सुई को कभी खुद के कपड़े ना मिले यही स्थिति लोकतंत्र के स्तंभ पत्रकारों की भी होने के कारण उन्होंने पत्रकारों में आत्म-जागृति का काम शुरू किया।यही बात कवि अनंत सुतनासे पत्रकारिता का दर्द बयां करते हुए कहते हैं...

चल काटे अँधेरा, हाथ में मशाल ले, कलम का साथ दे।
लिखी विफलता कितनी, कितनी बार मुखर हुई,
उसीकी याचना को तू एक बार आवाज़ दे।।
ये लड़ाई सत्य की, तेरे मेरे घर की, संवाद की राह पर हाथों में हाथ दे।
जन जन का दर्पण, किया है मुझको अर्पण,
मैं सिपाही आज का, तू कल की बात दे, कलम का साथ दे।।

इस शब्दावली के अनुरूप उपेक्षित कलम को समर्थन देकर संचार की प्रक्रिया को तेज़ कर प्रदेश में पत्रकारों का एक रचनात्मक आंदोलन वसंत मुंड़े ने खड़ा किया गया। यह आंदोलन जरूरतमंद पत्रकारों का संघर्ष है...! मुंडे ने पत्रकारों की समस्याओं के लिए घर से निकल कर पूरे महाराष्ट्र में मार्च किया।महाराष्ट्र सरकार की प्रत्यायन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए, मुंडे ने हर जिले में खुली चर्चा गतिविधियों का संचालन करके संचार माध्यम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। प्रशासन को साथ लेकर मुंडे सीधे पत्रकारों के दरवाजे पर पहुंचे। वरिष्ठ पत्रकारों को घर-घर जाकर सम्मान देने तथा जिला दैनिक के तालुका स्तर पर कार्यरत पत्रकारों को भी योजना का लाभ देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। एक सच्चा नेता वह है जो अवसर का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए करता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करते हुए वसंत मुंडे को जो भी मिला, उसे ईमानदारी से करने के लिए उन्होंने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया।महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष का पद मिलने के बाद उन्होंने सभी मंडलों में समाचार पत्र की अर्थव्यवस्था और पत्रकारों की समस्याओं पर अलग-अलग सत्र आयोजित किये। कोरोना महामारी में अखबार उद्योग चौपट हो गया। वसंत मुंडे ने इस आपदा से बाहर निकलने की उम्मीद तलाशने का काम किया। लाखों लोग रोजगार के लिए समाचार पत्र व्यवसाय पर निर्भर हैं। चूंकि हर साल हजारों करोड़ का कारोबार होता है, इसका सीधा संबंध मानव विकास सूचकांक में बढ़ोतरी से है। इसलिए, समाचार पत्र खरीदने वाले ग्राहकों को आयकर में ५,००० रु. वसंत मुंडे ने रियायत देने का अनुरोध सरकार से किया। महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों ने इस सुझाव का स्वागत किया। जबकि केंद्र में वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने ये भी कहा कि ये कल्पना काफी कारगर होगी। जिस दिन यह मांग लागू होगी वह सचमुच अखबारों के लिए वित्तीय आजादी का दिन होगा।वसंत मुंडे ने २८ जुलाई, २०२४ को समाचार पत्रों और पत्रकारों के लिए स्थायी और दूरगामी योजनाओं पर जोर देते हुए और राज्य भर में एक बड़ा आंदोलन खड़ा करते हुए एक और क्रांतिकारी कदम उठाया। उन्होंने एक ऐसा विषय उठाया जिस पर पहले किसी का ध्यान नहीं गया था। मुंडे ने दीक्षाभूमि से मंत्रालय तक पत्रकार संवाद यात्रा निकालकर पूरे राज्य का ध्यान आकर्षित किया। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर संविधान निर्माता होने से पहले एक पत्रकार थे। ऐसे महापुरुष की दीक्षा भूमि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर पत्रकारों के लिए ऐतिहासिक जागरण की शुरुआत की गयी। २४-दिवसीय यात्रा की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व थी। ज़रूरतमंद पत्रकार सड़कों पर उतर आये। इससे परिवर्तन की एक नई लड़ाई शुरू हुई। महाराष्ट्र ने अब पत्रकारों के नायक के रूप में वसंत मुंडे के नाम पर मुहर लगा दी है। आने वाले समय में पत्रकारों की यह आवाज और बुलंद होती रहेगी।

-संतोष मानुरकर

दीक्षाभूमि (नागपुर) से मंत्रालय (मुंबई) पत्रकार संवाद यात्रा दि. २८ जुलाई को नागपुर से आरंभ हुई। विदर्भ, खानदेश, उत्तर महाराष्ट्र पहले चरण में और मराठवाड़ा, पश्चिम महाराष्ट्र, पुणे, कोंकण संभाग दूसरे चरण में हैं। यह यात्रा २७ जिलों और १५० से अधिक तालुकाओं में ५,५०० किलोमीटर से अधिक की यात्रा के बाद २० अगस्त, २०२४ को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण केंद्र सभागार में समाप्त हुई। इस यात्रा की चुनिंदा तस्वीरें और अखबारी रिपोर्ट...

मुंबई

माननीय श्री. मंगलप्रभात लोढा

(कौशल विकास मंत्री)

"पत्रकार संघ के संघर्षशील, जुझारू और कुशल प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे के कारण आम पत्रकारों के मुद्दे सामने आए हैं। मैं उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हूँ। जल्द ही उनके साथ बैठक के बाद इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा।"

कौशल विकास मंत्री मा. मंगलप्रभात लोढ़ा...

विद्यमान मंत्री मा. चंद्रकांतदादा पाटील और मा. मंगलप्रभात लोढ़ा ने स्वीकार किया ज्ञापन...

उपस्थित प्रदेश भर से पत्रकार संघ के पदाधिकारी...

मुंबई

माननीय श्री. चंद्रकांतदादा पाटील

(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री)

"महाराष्ट्र में पहली बार, पत्रकारों के मुद्दे पर, स्थानीय स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को जानने और आपकी मांगों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य का दौरा किया। इससे मुझे यह जानने की उत्सुकता हुई कि वास्तव में क्या हो रहा है। जब मैंने वसंत मुंडे का भाषण सुना तो उसमें जिवंतता का अनुभव किया। वसंत मुंडे का एक पत्रकार और नेता के रूप में भविष्य है और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के बाद मांगों के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।"

शासन की ओर से उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री मा. चंद्रकांतदादा पाटील...

उपस्थित प्रदेश भर के प्रमुख पत्रकार...

मंत्री माननीय चंद्रकांतदादा पाटील और प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

मुंबई

वसंत मुंडे

दीक्षाभूमि से मंत्रालय प्रेस संवाद यात्रा २० अगस्त २०२४ को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण केंद्र सभागार में संपन्न हुई। सरकार की ओर से वरिष्ठ मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील और मुंबई के संरक्षक मंत्री मा. मंगलप्रभात लोढ़ा ने ज्ञापन को स्वीकार करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की। इस अवसर पर प्रदेश भर से बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

समापन समारोह में उपस्थित गणमान्य लोग...

समापन अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

दैनिक दिव्य लोकप्रभा के पत्रकार संवाद यात्रा विशेषांक का विमोचन...

मुंबई

माननीय विधायक पंकजाताई मुंडे

"स्वर्गीय गोपीनाथजी मुंडे के विरोध मार्च निकालने के बाद महाराष्ट्र में सरकार बदल गई। स्वर्गीय मुंडे की मृत्यु के बाद मैंने फिर से विरोध मार्च निकाला। अब वसंत मुंडे का मार्च पत्रकारों की जिदगी बदल देगा। मैं विधान परिषद में पत्रकारों की मांगों के संबंध में आवाज उठाऊंगी"।

विधायक श्रीमती पंकजा मुंडे...

विधायक पंकजा मुंडे के साथ...

विधायक पंकजा मुंडे को ज्ञापन देते हुए प्रदेश महासचिव विश्वास अरोटे...

मुंबई

मा. संजय भोकरे

"वसंत मुंडे ने दीक्षाभूमि से मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा निकालकर एक आंदोलन शुरू किया। राज्य के पत्रकारों ने दिखाया कि पत्रकार अच्छी तरह से संवाद कर सकते हैं। अगर पत्रकार संगठित होकर संगठन के माध्यम से अपनी मांगों को मनवाने का प्रयास करें तो कोई मुद्दा नहीं बचेगा।"

मुंबई में श्रीमान संजय भोकरे बोलते हुए...

विश्वास अरोटे, वसंत मुंडे, संजय भोकरे, प्रवीण सपकाले...

मंत्री माननीय चंद्रकांतदादा पाटील का स्वागत करते सिद्धार्थ भोकरे...

नागपुर

मंत्रालय विधानमंडल संवाददाता संघ के अध्यक्ष प्रमोद डोईफोडे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, दीक्षाभूमि से मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा एक ऐतिहासिक कदम है। इससे मीडिया क्षेत्र को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। विधानमंडल संवाददाता संघ के अध्यक्ष प्रमोद डोईफोडे और पूर्व अध्यक्ष चंदन शिरवाले ने नागपुर में दीक्षा भूमि के सामने संवाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दीक्षाभूमि में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

नागपुर में उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए...

माननीय प्रमोद डोईफोडे और चंदन शिरवाले ने झंडी दिखाई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल मीडिया का समर्थन।

नागपुर

नागपुर में संवाद यात्रा की पूर्व संध्या पर प्रेस क्लब हॉल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सपकाले, समन्वयक संतोष मानुरकर के साथ।

प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सपकाले...

संयोजक संतोष मानुरकर, नागपुर जिला अध्यक्ष प्रमोद शेंडे...

नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकार...

स्थानीय मीडिया का समर्थन

वर्धा

महात्मा गांधी के निवास स्थान वर्धा के सेवाग्राम में स्थानीय पत्रकारों ने पत्रकार संवाद यात्रा का स्वागत किया। बापू की कुटिया में जाकर सत्य, अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलने वाली संवाद यात्रा को नई ऊर्जा मिली।

संवाद यात्रा के साथियों के साथ बापू कुटी में...

वर्धा से अनुप भार्गव, संतोष मानुरकर, भूषण महाजन...

वर्धा के स्थानीय पत्रकारों के साथ...

महाराष्ट्र में ३०० से अधिक
स्थानों पर विभिन्न
गणमान्य व्यक्तियों द्वारा
पत्रकार संवाद यात्रा
के पोस्टर प्रकाशित किये गये।
उनमें से कुछ चुनिंदा छायाचित्र...

पूर्व मंत्री बालासाहेब थोरात

पूर्व सांसद भावना गवली

कराड में माननीय भरतनाना पाटील

धुले में पुलिस महानिदेशक कृष्ण प्रकाश

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले

पूर्व मंत्री सुरेश नवले

दैनिक पुढारी के संपादक धनंजय लाम्बे

सातपुर पार्षद श्री दिनकर पाटील, राजेंद्र थोरात

विभिन्न समाचार पत्रों से ऐसा भी समर्थन

विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से समर्थन

अमरावती

अमरावती जिले की सीमा पर पत्रकार संवाद यात्रा का स्थानीय पत्रकारों ने जोरदार स्वागत किया। विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना करती हुई चल रही इस यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन और नागरिक शामिल हुए।

संत गाडगे महाराज की समाधि पर...

अमरावती मंडल अध्यक्ष नयन मोंढे, जिला अध्यक्ष प्रवीण शेगोकर...

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा को नमन...

पत्रकारों की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करने हेतु निकाली गई पत्रकार संवाद यात्रा के पोस्टर का विमोचन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटील

शिवसेना जिला प्रमुख अनिल जगताप, सचिन मुलूक

कर्मवीर सुनील खाम्बे, नितिन शिदे, सुबोध कांबले

अमरावती म.न.पा. के डॉ. अजय जाधव

माननीय विधायक आनंदराव पाटील

संपादक अनिल अग्रवाल, प्रवीण शेगोकार

पद्मश्री डॉ. विकास महात्मे

फैक्ट्री अध्यक्ष भरतसेठ शाह, नीलकांत मोहिते

अमरावती

संवाद यात्रा का अमरावती शहर के पत्रकार भवन में पत्रकारों द्वारा स्वागत किया गया। पत्रकारों ने खुलकर संवाद करते हुए पत्रकारों की मांगों को लेकर कई सुझाव दिये और उनका समाधान भी सुझाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

अमरावती शहर में मौजूद पत्रकार...

अमरावती जिला अध्यक्ष प्रवीण शेगोकर, नंदुरबार जिला अध्यक्ष जगदीश सोनवणे...

सामाजिक तथा राजनीतिक संगठनों का समर्थन

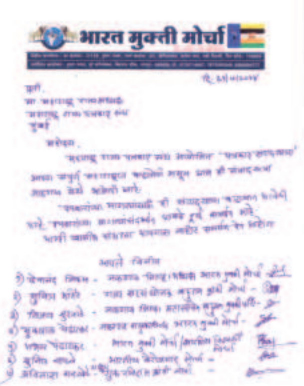

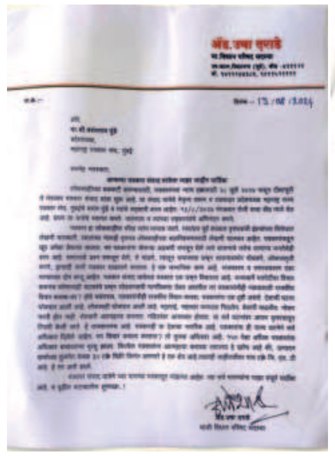

अकोला

अकोला शहर में संवाद यात्रा की अगवानी के बाद सरकारी विश्राम गृह में पत्रकार वार्ता में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की और मांगों पर विस्तार से चर्चा की।

अकोला में जिला अध्यक्ष गणेश सुरजासे...

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए वसंत मुंडे साथ में विश्वास आरोटे, गणेश सुरजासे...

अकोला प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित पत्रकार...

विदर्भ के अखबारों का समाचार–समर्थन

दीक्षाभूमि से निकली पत्रकार संवाद यात्रा

नागपुर | मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा दीक्षाभूमि से रवाना हुई जिसे राज्यभर में भारी प्रतिसाद मिला। महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे ने कहा कि शासनकर्ता मतों के गट्ठे देखकर ही समाज के विविध घटकों के लिए योजना जाहिर करते हैं, तो राज्य का प्रत्येक पत्रकार मतों का गट्ठा है। इसका विचार कर राज्यकर्ताओं को पत्रकारों के प्रश्न हल करने चाहिए। मंत्रालय विधानमंडल वार्ताहर संघ के अध्यक्ष प्रमोद डोईफोडे ने हरी झंडी दिखाकर संवाद यात्रा की शुरुआत की। कार्यक्रम में महासचिव विश्वासराव आरोटे, चंदन शिरवाले, प्रवीण सपकाले, राज्य समन्वयक संतोष मानुरकर, नीलेश सोमाणी, महेश पाणसे, नितिन शिंदे, नयन मोंढे, वैभव स्वामी, शरद नागदेवे आदि उपस्थित थे। प्रास्ताविक विभागीय अध्यक्ष प्रमोद शेंडे ने किया।

विवाद से लेना देना नहीं : कार्यक्रम में विवाद को लेकर संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि उनका बजरंग दल या अन्य से कोई संबंध नहीं है। बजरंग दल का वहां कोई कार्यकर्ता नहीं था। किसी तरह के आपत्तिजनक नारेबाजी नहीं की गई। यह शुद्ध महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ का कार्यक्रम था, जिसमें सभी पदाधिकारी संगठन का भगवा दुपट्टे पहने थे। कुछ लोगों ने इसे लेकर अफवाह उड़ाई। इससे लोगों में गलत जानकारी पहुंची।

दैनिक भास्कर Wed, 31 July 2024 https://epaper.bhaskarhindi.com/c/7

मातृभूमि

मताचे गठ्ठे पाहूनच न्याय मिळत असेल तर प्रत्येक पत्रकार एक गठ्ठा आहे: वसंत मुंडे

दैनिक विदर्भ कल्याण

पत्रकारांच्या मागण्या संदर्भात येत्या 8 दिवसात मुख्यमंत्र्यांशी चर्चा करून निर्णय घेऊ :- मा. चंद्रकांत दादा पाटील.

Nagpur Post

Nagpur, Wednesday 31 July 2024

Grand Welcome for Journalist Sanvad Yatra in Wardha, the City of Mahatma Gandhi

पुलगांव टाईम्स

राज्यातील पत्रकारांच्या शर्ती दर्शन सरकारला घडेल - वसंत

दिव्य मराठी

पत्रकारांच्या प्रश्नांकडे सरकारचे दुर्लक्ष : मुंडे

पत्रकारांच्या मागण्यांसाठी दीक्षाभूमी ते मंत्रालय पत्रकार संवा

क्रीडा मंत्री संजय बनसोडे यांच्या हस्ते लातुरात पोस्टरचे विमोच

दैनिक जनता आवाज

दिक्षाभूमी–मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रेचे पोस्टर प्रकाशन

नागपूर विशेष

दीक्षाभूमीवर नतमस्तक होऊन पत्रकार संवाद यात्रेला

शेगांव

संतनगरी गजानन महाराज के विख्यात शेगांव में आगमन के बाद संवाद यात्रा ने मंदिर में दर्शन के किये और विश्राम गृह में स्थानीय पत्रकारों से मुक्त वार्तालाप किया। इस अवसर पर ज़िले भर से बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार उपस्थित थे।

शेगांव में प्रेस कॉन्फ्रेंस।

शेगांव में स्वागत करते हुए बुलढाणा जिला अध्यक्ष सुहास लहाने।

शेगांव में 'विश्वजगत' समाचार पत्र के प्रकाशन के दौरान।

विभिन्न अखबारों का समाचारों के द्वारा मज़बूत समर्थन

भूमी-मंत्रालय
ाद यात्रेचे पोस्टर
विकास महामंडळ स्थापन करावे
नव शक्ति
marathi.freepressjournal.in
Date : 14 Aug 2024
Day : Wednesday
के लिए स्वतंत्र आर्थिक विकास निगम
जानी चाहिए : वसंत मुंडे
पत्रकारांच्या वेदनांचा हुंकार!
संवाद यात्रेमुळे
ज्यात पत्रकारां
वाद पूल साधत
मातृभूमि
राज्यातील पत्रकारांच्या एकीच्या शक्ती
दर्शन सरकारला घडेल - वसंत मुंडे
समर्थ राजयोग
लोकतंत्र की मजबुती हेतू समाचार पत्रो पर दे ध्यान
प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे का नजरीया
समयानुसार बदलाव जरुरी
सुधीर गणवीर का सत्कार
पुलगांव टाईम्स
देशदूत
जळगाव आवृत्ती
epaper.deshdoot.com
02 Aug 2024 - 3
पत्रकार संवाद यात्रेचे धरणगाव येथे स्वागत
मतदार राज
अंतिम पन्ना...छपते-छपते
दीक्षाभूमि से मंत्रालय संवाद पदयात्रा की तैयारी
पत्रकारों के न्याय अधिकार के लिए पत्रकार संवाद यात्रा के भागीदार बनें
जिले के पत्रकार भाग लें-विजय गायकवाड

मुक्ताईनगर

ॲड.रवीन्द्रभैय्या पाटील

(अध्यक्ष, मुक्ताई संस्थान)

"सरकार को आम पत्रकारों की मांगों को गंभीरता से लेना चाहिए। संवाद यात्रा को हमारा समर्थन है और मुक्ताई संस्थान का भी आशीर्वाद है। वसंत मुंडे के नेतृत्व में यह यात्रा मीडिया क्षेत्र में इतिहास रचेगी।"

मुक्ताईनगर में संत मुक्ताई के दर्शन।

स्वागत करते हुए मुक्ताई संस्थान के अध्यक्ष रवीन्द्रभैया पाटील।

अध्यक्ष एड. रवीन्द्रभाई पाटील के साथ।

पत्रकार संवाद यात्रा के उद्देश्य एवं भूमिका को प्रस्तुत करने वाले गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पोस्टरों का प्रकाशन। कुछ चुनिंदा तस्वीरें

पूर्व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत कराड।

सांसद अमोल कोल्हे, विधायक संदीप क्षीरसागर, एड. उषा दराडे।

आष्टी में पूर्व विधायक भीमराव धोंडे।

इंदापुर से पूर्व मंत्री दत्तामामा भरणे।

पूर्व मंत्री बालासाहेब पाटील।

निवेदन स्वीकार करते हुए जलगांव ज़िलाधिकारी।

जैन उद्योग समूह के अशोक जैन, प्रवीण सपकाले, सचिन गोसावी और भूषण महाजन।

जलगांव

श्रीमती रोहिणी खडसे

(प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी)

जलगांव शहर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा के पास उपस्थित होकर श्रीमती रोहिणी खडसे ने पत्रकार संवाद यात्रा का स्वागत किया और पत्रकारों की माँगों को पार्टी के समर्थन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि, पत्रकार समाज के प्रमुख घटक हैं, सरकार उनकी मांगों का समाधान करे, ऐसी माँग उन्होंने की।

जलगांव में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सपकाले, सचिन गोसावी।

वरिष्ठ पत्रकारों का स्वागत।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा को नमन।

संवाद यात्रा को स्थानीय अखबारों का समर्थन

केसरी
पत्रकारांनासुद्धा आता आपल्या मतांची ताकद दाखवावी ला
वसंत मुंडे : जळगावमध्ये साधला पत्रकारांशी संवाद
अक्षराज
पत्रकारांना सर्व समाज घटकांनी साथ द्यावी : वसंत मुंडे
लोकप्रभा
जळगावात पत्रकार संव
यात्रेवर जेसीबीने पुष्पवृ
दैनिक भास्कर
Date : 14 Aug 2024
Day : Wednesday
पत्रकारों के लिए स्वतंत्र आर्थिक विकास महामंडल की स्थापना करें
नवराष्ट्र
...तर ३ स्तंभ योग्य दिशेने काम करतील
जागर मराठी
पत्रकार संवाद यात्रेचे २८ जुलैपासून राज्यव्यापी वादळ घोंगावणार
वर्धा महात्मा गांधी बापू नगरीत पत्रकार संवाद यात्रेचे भव्य स्वाग
अक्षराज
कार्यारंभ
पत्रकारांच्या मागण्यांबाबत केंद्र, राज्य सरकारने योग्य ती पावले उचलावे
लोकराष्ट्र
Date : 14 Aug 20
Day : Wednesd
पत्रकारांसाठी स्वतंत्र आर्थिक विकास महामंडळ स्थापन क
पंकजाताई मुंडे यांना पत्रकारांचा प्रश्न ?
पत्रकारों की पत्रकार संवाद यात्रा का पोस्टर विमोचन

जलगांव

जलगांव शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में संवाद यात्रा की भूमिका प्रस्तुत करने के बाद उपस्थित वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने इसका उत्साहपूर्वक समर्थन किया। वहीं टीवी पत्रकार किशोर पाटील द्वारा पत्रकारों की जिदगी पर लिखी कविता ने सभी की आंखों में आंसू ला दिए।

प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे, प्रवीण सपकाले, सचिन गोसावी, गणेश सोनवणे।

जलगांव शहर में मौजूद पत्रकार

जलगांव शहर में मौजूद पत्रकार।

महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने गणमान्य व्यक्तियों के हाथों संवाद यात्रा के पोस्टर का विमोचन कराया। इसकी ये झलक...

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे।

मंत्री गुलाबराव पाटील।

पूर्व विधायक एड. उषाताई दराडे

पूर्व मंत्री बच्चू कडू।

ज़िलाधिकारी अहमदनगर

क्रेडाई के जीतेंद्रभाई मेहता, रोहिदास पाटील, राजरत्न इंगले।

जी. पी. सदस्य पद्म सिह पाटील, खानदेश अध्यक्ष किशोर रायसाकड़ा।

अंमलनेर

पत्रकार संवाद यात्रा का अम्मलनेर स्थित मंगलग्रह मंदिर में संस्थान की ओर से स्वागत किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय पत्रकार मौजूद थे। उनसे आत्मीय संवाद हुआ।

मंगलग्रह मंदिर संस्थान की ओर से मंगलग्रह मंदिर में स्वागत।

पालदी शहर में स्थानीय पत्रकारों की ओर से स्वागत।

बाजे-गाजे के साथ पालदी शहर में स्वागत।

समस्याएं पत्रकारों की,
उन्हें मंच स्थानीय
मीडिया का।

धुले

धुले शहर में स्थानीय पत्रकारों ने साने गुरुजी की प्रतिमा को प्रणाम कर यात्रा का स्वागत किया। सरकारी रेस्ट हाउस और धुले जिला मराठी पत्रकार संघ में भारी संख्या में प्रेस वार्ताओं में मुक्त संवाद हुआ।

धुले जिला मराठी पत्रकार संघ, धुले में प्रेस कॉन्फ्रेंस...

धुले में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकार...

धुले सरकारी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत...

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा
जगह जगह पर पोस्टरों
का प्रकाशन किया गया।
पोस्टर की विशेषता
यह है कि पत्रकार संवाद
यात्रा किसलिए है, इसकी
विस्तृत जानकारी दी गयी है!
उसी की ये चुनिंदा तस्वीरें।

मुख्यमंत्री मा. एकनाथ शिंदे

पूर्व मुख्यमंत्री मा. पृथ्वीराज चव्हाण

मंत्री मा. दादा भुसे

पूर्व मंत्री बच्चू कडू

राष्ट्रवादी अध्यक्ष रंजन ठाकरे, राहुल सरोदे और ज्ञानेश्वर आवाड।

विधायक मा. सत्यजीत तांबे, गणेश देगावकर।

मंत्री माननीय रवीन्द्र चव्हाण, विधायक माननीय निरंजन डावखरे, सुबोध कांबले।

धुले

धुले शहर में मराठी पत्रकार संघ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई वरिष्ठ पत्रकारों ने कोरोना के बाद बदले हालात में समस्याओं पर चर्चा की। युवा पत्रकारों ने बताईं समस्याएं और सुझाए समाधान। संवाद यात्रा का धुले शहर में पत्रकारों द्वारा अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

धुले में प्रेस कॉन्फ्रेंस...

धुले में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकार...

अखबार का विमोचन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे, धुले जिला अध्यक्ष जीतेंद्रसिंह राजपूत।

संवाद यात्रा को स्थानीय मीडिया का समर्थन।

शिरडी

दीक्षाभूमि से मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा का पहला चरण शिरडी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर महाराष्ट्र के पत्रकार एवं विभिन्न पत्रकार संघों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया।

संपादक सेवा संघ के किसनभाऊ हासे, शहर जिला अध्यक्ष दत्ता गाडगे, सोमनाथ काले...

शिरडी में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

स्वागत करते हुए दत्ता गाडगे, सोमनाथ काले, महासचिव विश्वास अरोटे...

महाराष्ट्र के मंत्रियों, विधायकों और विभिन्न पार्टी संगठनों के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक प्रेस संवाद यात्रा का पोस्टर जारी किया। उसी की ये कुछ तस्वीरें...

राहत एवं पुनर्वास मंत्री मा. अनिल पाटील

ग्रामीण विकास मंत्री मा. गिरीश महाजन

पूर्व मंत्री मा. हर्षवर्धन पाटील

मंत्री मा. हसन मुश्रीफ

लोकमत के संपादक नंदकिशोर पाटील, प्रशांत सूर्यतले, मनोज पाटणी

नवी मुंबई संपादक सुभाष जाधव, दशरथ चव्हाण

सामाजिक कार्यकर्ता नानजीभाई ठक्कर, कोंकण मंडल अध्यक्ष नितिन शिदे पोस्टर जारी करते हुए।